tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सिर्फ दूसरा आईपीएल मैच, माधव तिवारी को प्लेयर ऑफ द मैच

Page-04

'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' पर रणवीर सिंह की फिल्म?

Page-05

पेपर लीक विवाद के बाद रद्द हुई NEET-UG 2026 परीक्षा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2026 को प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बाद रद्द कर दिया है। यह फैसला केंद्र सरकार की मंजूरी और जांच एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर लिया गया। अब परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी, जिसकी नई तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी।तीन मई को आयोजित इस परीक्षा में देश और विदेश के कुल 565 शहरों में करीब 23 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था। वर्षों की तैयारी के बाद परीक्षा रद्द होने से छात्रों और अभिभावकों में भारी निराशा और गुस्सा देखा जा रहा है। कई कोचिंग संस्थानों से छात्रों के भावुक होकर रोने की खबरें सामने आई हैं।पेपर लीक विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने मीडिया के सवालों से दूरी बनाए रखी, जबकि सरकार की ओर से अब तक कोई विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की गई है। इस बीच केंद्र सरकार ने पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी CBI को सौंप दी है।एनटीए ने अपने बयान में कहा कि परीक्षा

- पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बाद NTA ने NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द कर दी, अब परीक्षा दोबारा आयोजित होगी।
- करीब 23 लाख छात्रों पर इसका असर पड़ा है, जबकि पूरे मामले की जांच CBI को सौंप दी गई है।

प्रणाली की पारदर्शिता और छात्रों का भरोसा बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। गौरतलब है कि NEET को देशभर की अलग-अलग मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं को एकीकृत करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, लेकिन लगातार सामने आ रहे विवादों ने इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को सरकारी लापरवाही और शिक्षा व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार ने बर्बाद कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर राहुल गांधी ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों पर इस फैसले का गहरा असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई परिवारों ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया, गहने बेचे और छात्रों ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक और सरकारी विफलता मिली।

ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का बड़ा बयान

भारत का विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन द्वारा कथित मदद दिए जाने संबंधी रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि सामने आई जानकारी उन तथ्यों की पुष्टि करती हैं, जिनके बारे में भारत को पहले से जानकारी थी।विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया एक सटीक और सीमित सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान समर्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाना था। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब उन देशों को आत्ममंथन करना चाहिए जो आतंकवादी संरचनाओं को बचाने के प्रयासों का समर्थन करते हैं, क्योंकि इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय साख प्रभावित हो सकती है।गौरतलब है कि भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने जुलाई 2025 में दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को महत्वपूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान की थी। इसी बीच, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया कि चीनी सरकारी चैनल CCTV पर प्रसारित एक इंटरव्यू में चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने स्वीकार किया कि उनकी टीम पाकिस्तान को तकनीकी सहायता दे रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान वायुसेना चीन निर्मित J-10CE लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करती है, जिन्हें AVIC की सहयोगी कंपनी बनाती है।

शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी हत्याकांड की जांच

चंद्रनाथ रथ, जो शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी और निजी सहायक बताए जाते थे, की 6 मई की रात मध्यमग्राम इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना विधानसभा चुनाव परिणाम आने के दो दिन बाद हुई थी। हमलावरों ने कथित तौर पर उनकी गाड़ी को रोककर करीब 10 राउंड फायरिंग की, जिसमें रथ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके चालक बुद्धदेव बेरा गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच, बलिया निवासी आरोपी राज सिंह के परिवार ने गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। उसकी मां जसवंती सिंह का दावा है कि घटना के समय उनका बेटा परिवार के साथ लखनऊ, अंबेडकर नगर और अयोध्या में था। उन्होंने कहा कि उनके पास सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत मौजूद हैं, जो बेटे की मौजूदगी साबित कर सकते हैं। परिवार ने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

NEET रद्द होने पर राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को सरकारी लापरवाही और शिक्षा व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार ने बर्बाद कर दिया।यह बयान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा 3 मई को आयोजित NEET-UG 2026 परीक्षा को पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के चलते रद्द किए जाने के बाद सामने आया। केंद्र सरकार ने मामले की जांच CBI को सौंप दी है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर राहुल गांधी ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों पर इस फैसले का गहरा असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई परिवारों ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया, गहने बेचे और छात्रों ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक और सरकारी विफलता मिली।कांग्रेस नेता ने इसे केवल प्रशासनिक असफलता नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य के खिलाफ अपराध बताया। उन्होंने कहा कि हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं, जबकि ईमानदार छात्रों को मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है।

'गेस पेपर' ने डुबोई NEET-UG 2026!

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2026 आखिरकार पेपर लीक और कथित 'गेस पेपर' विवाद के बाद रद्द कर दी गई। 3 मई को आयोजित इस परीक्षा में 22.79 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था, लेकिन अब जांच एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि एक हाथ से लिखा 'गेस पेपर' परीक्षा से पहले ही छात्रों के बीच बड़े पैमाने पर फैल चुका था।राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) के अनुसार, इस दस्तावेज में करीब 410 सवाल थे, जिनमें से लगभग 120 सवाल असली NEET परीक्षा में पूछे गए। जांच अधिकारियों का कहना है कि बायोलॉजी और केमिस्ट्री सेक्शन में 100 से अधिक सवालों में चौंकाने वाली समानता मिली, जिससे परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

केरल में मुख्यमंत्री चेहरे पर कांग्रेस में मंथन तेज

वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया

- मुख्यमंत्री पद की दौड़ में के.सी. वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला और वी.डी. सतीशान प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

केरल विधानसभा चुनाव में यूडीएफ की बड़ी जीत के बाद भी मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस में असमंजस बना हुआ है। इस बीच पार्टी हाईकमान ने मामले पर अंतिम फैसला लेने से पहले केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (KPCC) के पूर्व अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को विस्तृत चर्चा के लिए नई दिल्ली बुलाया है।पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ और कार्यकारी अध्यक्ष ए.पी. अनिल कुमार, पी.सी. विष्णुनाथ तथा शफी परम्बिल को भी दिल्ली में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में के.सी. वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला और वी.डी. सतीशान प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व चाहता है कि मुख्यमंत्री चयन का फैसला सभी वरिष्ठ नेताओं और हितधारकों से सलाह-मशविरा करने के बाद लिया जाए, ताकि किसी तरह की असंतोष की स्थिति न बने। इसी रणनीति के तहत पूर्व KPCC अध्यक्षों को भी चर्चा में शामिल किया गया है।बताया जा रहा है कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति और मुख्यमंत्री चेहरे पर उनकी राय जानेंगे। वहीं, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से भी विस्तृत चर्चा के जरिए सहमति बनाने की प्रक्रिया का समर्थन किया है।बैठकों के बाद कांग्रेस हाईकमान तीनों प्रमुख दावेदारों को दिल्ली बुलाकर अंतिम निर्णय से अवगत करा सकता है।

तमिलनाडु में 'नशा मुक्त' अभियान की शुरुआत

सीएम विजय ने 717 TASMAC शराब दुकानें बंद करने का दिया आदेश

जोसेफ विजय ने मुख्यमंत्री बनने के बाद बड़ा फैसला लेते हुए राज्यभर में मंदिरों, स्कूलों और बस स्टैंडों के 500 मीटर दायरे में स्थित 717 सरकारी शराब दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम यानी TASMAC द्वारा संचालित इन दुकानों को दो सप्ताह के भीतर बंद करना होगा।यह आदेश विजय सरकार का पहला बड़ा प्रशासनिक कदम माना जा रहा है। उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम ने हालिया विधानसभा चुनाव में 234 में से 108 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था। हालांकि बहुमत से कुछ सीटें कम होने के कारण कांग्रेस, वाम दलों और विदुथलाई चिरुथाइगल

काची के समर्थन से सरकार बनी।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 4,765 TASMAC दुकानें संचालित हैं, जिनमें 276 पूजा स्थलों, 186 शैक्षणिक संस्थानों और 255 बस स्टैंडों के पास स्थित हैं। सरकार ने कहा कि आम जनता के हित और सामाजिक सुधार को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।हालांकि TASMAC तमिलनाडु सरकार के राजस्व का बड़ा स्रोत है और वर्ष 2025 में इससे 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई थी, इसके बावजूद सरकार ने शराब नियंत्रण की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसे विजय के 'नशा मुक्त तमिलनाडु' अभियान की शुरुआत माना जा रहा है।गौरतलब है कि पिछले वर्ष प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने TASMAC और उससे जुड़ी संस्थाओं पर कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामलों को लेकर कई स्थानों पर छापेमारी भी की थी।

हिमंत बिस्वा सरमा ने दूसरी बार संभाली असम की कमान

असम में भाजपा की बड़ी जीत के बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया।गुवाहाटी में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई केंद्रीय मंत्री और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।कांग्रेस से भाजपा तक का उनका राजनीतिक सफर और पूर्वोत्तर में भाजपा को मजबूत करने की रणनीति उन्हें क्षेत्रीय राजनीति का सबसे प्रभावशाली चेहरा बनाती है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद मंगलवार (12 मई) को हिमंत बिस्वा सरमा ने दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. इसके साथ ही वह असम में लगातार दो कार्यकाल तक मुख्यमंत्री बनने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए. गुवाहाटी में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें शपथ दिलाई. समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री भी पहुंचे. राज्यपाल ने रविवार (10 मई) को उन्हें एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री नियुक्त किया था. असम में यह एनडीए सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल भी है. इससे पहले 2016 में भाजपा के नेतृत्व में पहली बार सर्बानंद सोनोवाल मुख्यमंत्री बने थे, जबकि 2021 में हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की कमान संभाली थी. शपथ ग्रहण समारोह को बेहद खास माना गया. इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अलावा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल हुए.

हिमंत बिस्वा सरमा के साथ इन नेताओं ने ली मंत्री पद की शपथ

रामेश्वर तेली

अतुल बोरा

चरन बोरो (बीपीएफ)

अजंता नियोग

हिमंत बिस्वा सरमा 2015 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे. उस समय असम में कांग्रेस का दबदबा था और भाजपा के पास केवल पांच विधायक थे, लेकिन हिमंत सरमा ने भाजपा को पूर्वोत्तर में मजबूत करने के लिए रणनीतिक तरीके से काम किया. 2016 में भाजपा ने उन्हें नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (NEDA) का संयोजक बनाया. इसके बाद उन्होंने पूर्वोत्तर के क्षेत्रीय दलों को भाजपा के साथ जोड़ने में अहम भूमिका निभाई. राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि पूर्वोत्तर में भाजपा के तेजी से बढ़ते प्रभाव के पीछे हिमंता बिस्वा सरमा की रणनीति सबसे बड़ा कारण रही. सरमा की शिक्षा तरह गुवाहाटी में हुई. उन्होंने स्कूली पढ़ाई कामरूप अकादमी से की. इसके बाद कॉटन कॉलेज से राजनीति विज्ञान में बीए और एमए की डिग्री हासिल की फिर गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से एलएलबी की पढ़ाई पूरी कर कुछ समय तक गुवाहाटी हाईकोर्ट में वकालत भी की. साल 2006 में उन्होंने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की. उनका राजनीतिक करियर छात्र राजनीति से शुरू हुआ. 1991-92 में वह कॉटन कॉलेज छात्र संघ के महासचिव रहे और बाद में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) से जुड़े. 1990 के दशक में उन्होंने कांग्रेस में प्रवेश किया और 2001 में जालुकबारी सीट से पहली बार विधायक बने. खास बात यह है कि वह इस सीट से अब तक लगातार जीतते आ रहे हैं.

अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना ने भारतीय पोत की की मदद

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

समुद्र की लहरों के बीच तनाव को किनारे रखकर मानवता की एक नई मिसाल देखने को मिली है। पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में तकनीकी खराबी के कारण फंसे एक भारतीय व्यापारिक पोत के चालक दल को महत्वपूर्ण मानवीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है। इस अभियान में पाकिस्तानी नौसेना के साथ पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (PMSA) ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। समाचारपत्र 'डॉन' ने सोमवार को प्रकाशित अपनी एक खबर में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बचाव और सहायता अभियान में नौसेना की सहायता पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) ने की। खबर में कहा गया कि मुंबई स्थित समुद्री बचाव एवं समन्वय केंद्र ने पाकिस्तानी प्राधिकारियों से संपर्क कर सहायता का अनुरोध किया था जिसके बाद चालक दल की सहायता के लिए अभियान शुरू किया गया। इस चालक दल में छह भारतीय और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि ओमान से भारत जा रहे एम.वी. गौतम नामक पोत के चालक दल ने तकनीकी खराबी की सूचना दी। खबर में कहा गया है कि फंसे हुए चालक दल को भोजन, चिकित्सा और तकनीकी सहित आपात सहायता प्रदान की गई। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी नौसेना ने इस तरह का बचाव अभियान चलाया हो। पिछले महीने भी अरब सागर में संकट की सूचना मिलने के बाद, पाकिस्तानी नौसेना ने एक व्यापारिक पोत से विदेशी नागरिकों सहित चालक दल के 18 सदस्यों को सुरक्षित बचाया था। समुद्री कानून और मानवीय आधार पर किए गए इस बचाव कार्य की सराहना की जा रही है, क्योंकि यह समुद्र में सुरक्षा और सहयोग के अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को मजबूती प्रदान करता है।

थलापति विजय का कड़ा फैसला
सैकड़ों शराब की दुकानें बंद करने का आदेश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री थलापति विजय ने पद संभालते हुए कड़े फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। अब सीएम विजय ने आदेश जारी किया है कि पूजा स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और बस स्टैंडों से 500 मीटर के दायरे में स्थित 717 शराब की खुदरा दुकानों को दो सप्ताह के भीतर बंद कर दिया है। सीएम विजय की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि ये फैसला जनहित को ध्यान में रखते हुए किया गया है। आपको बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने राज्य में पूजा स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और बस स्टैंडों से 500 मीटर के दायरे में स्थित दुकानों का निरीक्षण और पहचान करने का आदेश दिया है। आदेश के मुताबिक, ऐसी कैटेगरी में 717 खुदरा शराब की दुकानें संचालित पाई गईं। इनमें से पूजा स्थलों के पास स्थित 276 दुकानें, शैक्षणिक संस्थानों के पास स्थित 186 दुकानें और बस स्टैंडों के पास स्थित 255 दुकानें शामिल हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु राज्य वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर (TASMAC) द्वारा वर्तमान में 4,765 खुदरा शराब की दुकानें चलाई जा रही हैं। अब इनमें से पूजा स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और

बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में आने वाली 717 दुकानें बंद कर दी जाएंगी। तमिलनाडु में बीते 23 अप्रैल को 234 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव हुए थे। इस चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके ने 108 सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि, राज्य में बहुमत के लिए 118 सीटें जरूरी थीं। ऐसे में कांग्रेस, आईयूएमएल, वीसीके, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने विजय को समर्थन दिया। इसके बाद विजय के पास समर्थक विधायकों की संख्या 120 हो गई है।

विमान की लैंडिंग के दौरान उसके टायर में आग
यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल की राजधानी काठमांडु से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान की लैंडिंग के दौरान उसके टायर में आग लग गई। इस घटना से हड़कंप मच गया। जिस समय ये घटना हुई, उस समय विमान के अंदर 289 लोग सवार थे, जिसमें चालक दल के सदस्य भी शामिल हैं। काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय तुर्की एयरलाइंस के एक विमान के टायर में आग लग गई। हालांकि गनीमत ये रही कि समय रहते इस आग को बुझा लिया गया और विमान में मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आग पर काबू पाया जा चुका है। एयरपोर्ट की सुरक्षा मामलों के एसपी राजकुमार सिलावल ने एएनआई को फोन पर इस मामले की जानकारी देते हुए बताया, "तुर्की एयरलाइंस का विमान टीके 726 इस्तांबुल से काठमांडू आ रहा था। लैंडिंग के समय उसके टायर में आग लग गई। दमकल कर्मियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।" अधिकारियों ने बताया कि जिस विमान के साथ ये हादसा हुआ, उसमें कुल 278 यात्री और 11 चालक दल के सदस्य सवार थे। इस यात्रियों में संयुक्त राष्ट्र के भी कुछ अधिकारी शामिल थे। गनीमत ये रही कि सभी सुरक्षित हैं और उन्हें सुरक्षित तरीके से ही विमान से रेस्क्यू किया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से लगातार विमान हादसों के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है।

ईरान ने सीजफायर पर अमेरिकी प्रस्ताव का दिया जवाब

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने सीजफायर को लेकर अमेरिका के प्रस्ताव पर अपना जवाब दे दिया है। यह जवाब पाकिस्तानी मध्यस्थों को भेजा गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस बातचीत का मुख्य फोकस स्थाई रूप से युद्ध को खत्म करने पर हो। ईरान के सरकारी टीवी ने बताया कि ईरान लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना चाहता है और शिपिंग की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। वॉशिंगटन के ताज़ा प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेने के एक समझौते की बात कही गई थी। हालांकि तेहरान फिलहाल परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर बाद में चर्चा करना चाहता है। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से ईरान के जवाब पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्टज का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई से पहले डिप्लोमैटिक लेवल पर पूरा मौका देना चाहते हैं। इससे

पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी दी थी और कहा था कि होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए फिर से खोलने सहित कोई समझौता नहीं होने की सूरत में ईरान पर नये सिरे से बमबारी की जाएगी। इससे पहले अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे एक ईरानी तेल टैंकर पर गोलीबारी की थी।ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि ईरान के साथ युद्ध जल्द ही खत्म हो सकता है और तेल व प्राकृतिक गैस की आपूर्ति दोबारा शुरू हो सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि ईरान एक प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर ले। ट्रंप ने समझौते के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। ट्रंप ने कहा, "अगर वह सहमति नहीं जताता है, तो बमबारी शुरू होगी।"

संपादक की कलम से

देश में बढ़ती महंगाई आज एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, सब्जियाँ, ईंधन और दवाइयों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम आदमी का जीवन कठिन होता जा रहा है। विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के लोग इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। महंगाई का सीधा असर लोगों की क्रय शक्ति पर पड़ता है। पहले जो वस्तुएँ आसानी से खरीदी जा सकती थीं, अब वे बजट से बाहर होती जा रही हैं। परिवारों को अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है, जिससे उनके जीवन स्तर पर भी असर पड़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी लोग समझौता करने को मजबूर हो रहे हैं, जो दीर्घकाल में समाज के विकास के लिए हानिकारक है।महंगाई बढ़ने के कई कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएँ, प्राकृतिक आपदाएँ और कुछ हद तक सरकारी नीतियाँ भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, जमाखोरी और कालाबाजारी जैसी समस्याएँ भी स्थिति को और गंभीर बना देती हैं। सरकार द्वारा महंगाई को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जाते हैं, जैसे कि सब्सिडी देना, करों में कमी करना और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना। लेकिन कई बार ये उपाय पर्याप्त साबित नहीं होते। जरूरत है कि दीर्घकालिक और प्रभावी नीतियाँ बनाई जाएँ, जो उत्पादन बढ़ाने, वितरण व्यवस्था सुधारने और बाजार में पारदर्शिता लाने पर केंद्रित हों। इसके साथ ही, आम जनता को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अनावश्यक वस्तुओं की खरीद से बचना, बचत को बढ़ावा देना और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस समस्या के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं। अंततः, महंगाई केवल एक आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और विकास से भी जुड़ी हुई है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। इसलिए सरकार, उद्योग और आम जनता—सभी को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा, ताकि एक संतुलित और समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी की घोषणाओं पर चिंता जताते हुए
शरद पवार ने एक सर्वदलीय बैठक की मांग की

पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी की हालिया घोषणाओं पर चिंता जताते हुए एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने एक सर्वदलीय बैठक की मांग की है। पवार ने इन घोषणाओं के दूरगामी आर्थिक परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को राष्ट्रीय हित में आर्थिक विशेषज्ञों और सभी दलों से परामर्श करना चाहिए।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के सुप्रीमो शरद पवार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जताई जा रही चिंताओं के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक बुलाने और आर्थिक विशेषज्ञों से परामर्श करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में पवार ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में की गई घोषणाओं के दूरगामी आर्थिक परिणाम हो सकते हैं और इनसे नागरिकों, व्यवसायों और निवेशकों में बेचैनी पैदा हो गई है। पवार ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और युद्ध जैसी स्थिति के मद्देनजर, दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ घोषणाएं कीं। इनका देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन घोषणाओं की अचानक प्रकृति ने आम नागरिकों, उद्योग-व्यापार क्षेत्र और निवेशकों के बीच बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। एनसीपी प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से सभी दलों के नेताओं से परामर्श करने और उन्हें विश्वास में लेने का आग्रह किया। पवार ने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मामलों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी दलों के नेताओं को शामिल करना देश के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र को भी स्थिति का व्यापक आकलन करने के लिए तुरंत अर्थशास्त्रियों से परामर्श करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री को देश के प्रतिष्ठित आर्थिक विशेषज्ञों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और संबंधित विशेषज्ञों के साथ तत्काल बैठक बुलाकर स्थिति की गहन समीक्षा करनी चाहिए। भविष्य की नीतियों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। वरिष्ठ नेता ने आगे कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में देश की जनता में विश्वास और स्थिरता का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उनकी ये टिप्पणियां प्रधानमंत्री द्वारा रविवार को सिकंदराबाद में की गई अपील के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने नागरिकों से घर से काम करने को प्राथमिकता देने, ईंधन की खपत कम करने, एक साल तक विदेश यात्रा से बचने, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, खाना पकाने के तेल का उपयोग कम करने, प्राकृतिक खेती की ओर रुख करने और सोने की खरीद पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

भाजपा-चुनाव आयोग के 'चोर बाजार' में – जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम-राहुल गांधी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की, जब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। एक फेसबुक पोस्ट साझा करते हुए, कांग्रेस सांसद ने चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए लिखा कि भाजपा-चुनाव आयोग के 'चोर बाजार' में – जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम। सोमवार को भाजपा सरकार ने मनोज कुमार अग्रवाल को मुख्य सचिव नियुक्त किया। पश्चिम बंगाल सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल मनोज कुमार अग्रवाल (एएस (डब्ल्यूबी:1990), मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल, और पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह एवं पर्वतीय मामलों (चुनाव) विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार को अगले आदेश तक पश्चिम बंगाल सरकार का मुख्य सचिव नियुक्त करते हैं। राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर टीएमसी और ईसीआई के बीच का विवाद काफी चर्चा में रहा। 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों ने भाजपा को निर्णायक जनादेश दिया, जिससे 294 सदस्यीय विधानसभा में उसकी सीटों की संख्या पिछले चुनाव के 77 से बढ़कर 206 हो गई। पिछले चुनाव में 212 सीटें जीतने वाली टीएमसी 80 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही और राज्य में उसका 15 साल का शासन समाप्त हो गया। कांग्रेस को केवल दो सीटें मिलीं।

AIADMK में अंदरूनी कलह, TVK को समर्थन देने का ऐलान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हार के बाद AIADMK में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आती दिख रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सीवी शनमुगम ने फ्लोर टेस्ट से पहले मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी TVK को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि उनके साथ करीब 30 विधायक भी हैं, जिससे पार्टी में विभाजन की अटकलें तेज हो गई हैं। सीवी शनमुगम ने कहा, 'हमने इस पार्टी की स्थापना DMK के खिलाफ की थी। पिछले 53 वर्षों से हमारी राजनीति DMK विरोध पर आधारित रही है। ऐसे में यह प्रस्ताव रखा गया कि DMK के समर्थन से AIADMK की सरकार बनाई जाए, लेकिन पार्टी के अधिकांश सदस्यों ने इसे खारिज कर दिया। अगर हम DMK के साथ गठबंधन करते, तो AIADMK का अस्तित्व ही खत्म हो जाता। इसलिए हमने ऐसी स्थिति को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।' उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल पार्टी किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं है और अब प्राथमिकता AIADMK को फिर से मजबूत और सक्रिय बनाने की है। शनमुगम ने कहा, 'आखिरकार हमने विजयी रही TVK सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है।' तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में AIADMK ने कुल 47 सीटें जीती थीं। यदि सीवी शनमुगम गुट के साथ 30 विधायक हैं, तो एडप्पादी के. पलानीसामी के पास केवल 17 विधायक बचते हैं। इसी बीच AIADMK और TVK के बीच संभावित गठबंधन को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, शनमुगम गुट से जुड़े कई विधायकों को पुडुचेरी के एक निजी रिसॉर्ट में ठहराया गया है, जिससे राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं। AIADMK के पूर्व नेता केसी पलानीसामी ने भी पार्टी में विभाजन के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ रहा है और कई विधायक बदलाव चाहते हैं। केसी पलानीसामी ने कहा, 'यदि एडप्पादी के पलानीसामी नेता बने रहते हैं, तो कुछ विधायक TVK को समर्थन दे सकते हैं।' उन्होंने यह भी दावा किया कि हालांकि एडप्पादी के पलानीसामी आधिकारिक तौर पर पार्टी के महासचिव हैं, लेकिन पार्टी के भीतर बड़ी संख्या में नेता और विधायक उनके साथ नहीं हैं।

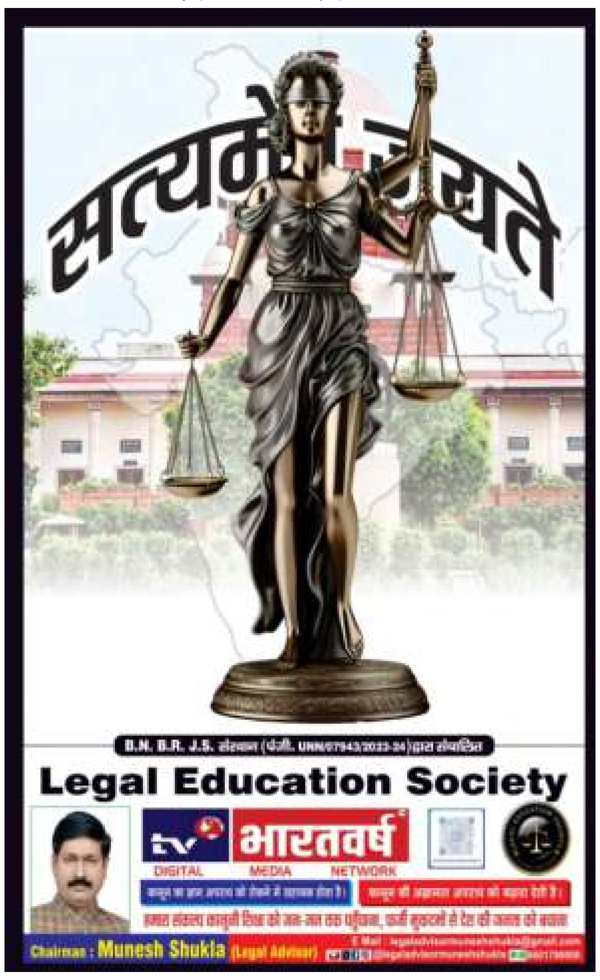

शिक्षा और रिसर्च को दी नई दिशा

किरण मजूमदार शॉ ने क्लेयर मजूमदार को सौंपी विरासत

बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ ने कंपनी की उत्तराधिकार योजना की घोषणा करते हुए अपनी भांजी क्लेयर मजूमदार को भविष्य का नेतृत्व सौंपने का संकेत दिया है। यह फैसला केवल कॉरपोरेट बदलाव नहीं, बल्कि विज्ञान, शोध और वैश्विक शिक्षा की भूमिका को भी रेखांकित करता है।किरण मजूमदार शॉ ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 37 वर्षीय क्लेयर मजूमदार कंपनी के अगले विकास चरण का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। करीब चार दशक पहले स्थापित बायोकॉन को उन्होंने भारत की प्रमुख बायोफार्मास्युटिकल कंपनियों में शामिल किया। अपनी कोई संतान न होने के कारण वह कंपनी को ऐसे हाथों में सौंपना चाहती थीं जो भविष्य की वैज्ञानिक और कारोबारी चुनौतियों को समझते हों। क्लेयर मजूमदार वर्तमान में बिकारा थेरेप्यूटिक्स की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। यह कंपनी बायोकॉन द्वारा इंक्यूबेट की गई थी और 2024 में नैस्डैक पर सूचीबद्ध हुई। आज इसका बाजार पूंजीकरण 1.6 अरब डॉलर से अधिक है। क्लेयर की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी उल्लेखनीय है। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है। कैंसर बायोलॉजी में उनकी पीएचडी उन्हें वैज्ञानिक दृष्टि से भी मजबूत बनाती है।यह उत्तराधिकार योजना शिक्षा और शोध आधारित नेतृत्व का उदाहरण मानी जा रही है। परिवार के अन्य सदस्य भी इसी दिशा में सक्रिय हैं। क्लेयर के भाई एरिक मजूमदार कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) में प्रोफेसर हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञ माने जाते हैं। वहीं उनके पति थॉमस रॉबर्ट्स मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। इससे स्पष्ट है कि बायोकॉन का भविष्य विज्ञान, चिकित्सा और तकनीकी नवाचार के साझा आधार पर आगे बढ़ेगा। इसी के साथ बायोकॉन अपने संगठनात्मक ढांचे में भी बड़े बदलाव कर रही है। कंपनी ने अपने जेनेरिक्स और बायोलॉजिक्स व्यवसायों का विलय कर दिया है। साथ ही कर्ज कम करने और कारोबारी संरचना को अधिक सरल बनाने की दिशा में काम जारी है। समूह की अन्य कंपनियों में भी नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। श्रीहास तांबे ने बायोकॉन बायोलॉजिक्स के सीईओ और प्रबंध निदेशक का पद संभाल लिया है। वहीं सिद्धार्थ मित्तल 1 जुलाई से सिनजीन इंटरनेशनल का नेतृत्व करेंगे।किरण मजूमदार शॉ के अनुसार समूह की भविष्य की वृद्धि डिफरेंशिएटेड बायोसिमिलर्स, ओरिजिनल बायोलॉजिक दवाओं और रिसर्च एंड डेवलपमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर आधारित होगी।

राहुल द्रविड़ को (ETPL) की डबलिन गार्डियंस फ्रेंचाइजी का मालिक बनाया गया

यूरोप में नई लीग का आगाज होने जा रहा है, जिसमें भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े दिग्गजों में से एक राहुल द्रविड़ की टीम शिरकत करती नजर आएगी। इस लीग में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ टीम मालिक की भूमिका में नजर आएंगे। उन्हें यूरोपियन T20 प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी डबलिन गार्डियंस का मालिक घोषित किया गया है। यूरोपियन T20 प्रीमियर लीग यानी ETPL ने 11 मई को आधिकारिक तौर पर द्रविड़ के नाम का ऐलान किया। इसके साथ ही 2026 में शुरू होने वाली इस नई लीग की सभी 6 फ्रेंचाइजियों की संरचना पूरी हो गई। डबलिन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में राहुल द्रविड़ को डबलिन फ्रेंचाइजी के मालिक के रूप में पेश किया गया। इस इवेंट में क्रिकेट और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। ETPL के सह-संस्थापकअभिषेक बच्चन के साथ-साथ क्रिस गेल, जोंटी रोड्स, ग्लेन मैक्सवेल और फाफ डु प्लेसिस जैसे दिग्गज भी इस लीग से जुड़े हुए हैं। राहुल द्रविड़ ने इस नई भूमिका पर कहा कि ETPL की जिस बात ने उन्हें अपनी ओर खींचा, वह थी इसके पीछे की बड़ी सोच। उनका मानना है कि यह लीग यूरोप में क्रिकेट को नई पहचान देने के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का शानदार मंच प्रदान करेगी। द्रविड़ ने कहा कि डबलिन में क्रिकेट के प्रति जुनून मौजूद है और यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं। अगली पीढ़ी को संवारना उनके लिए हमेशा से ही अहम रहा है और उनका मानना है कि इस सफर में ETPL एक सार्थक भूमिका निभा सकता है। वहीं, अभिषेक बच्चन ने कहा कि राहुल द्रविड़ जैसे महान खिलाड़ी का लीग से जुड़ना ETPL के लिए बेहद खास है। उन्होंने इसे यूरोप में क्रिकेट के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम बताया।

पंजाब किंग्स की लगातार चौथी हार

धर्मशाला में पहली बार चेज हुए हैं 200 से अधिक रन

सिर्फ दूसरा आईपीएल मैच

माधव तिवारी को प्लेयर ऑफ द मैच

आईपीएल 2026 के 55वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाने वाले माधव तिवारी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। माधव का यह सिर्फ दूसरा आईपीएल मैच था, जहां उन्होंने पहले गेंद से धार दिखाई और फिर बल्ले से कमाल की पारी खेलते हुए पंजाब किंग्स के मुंह से जीत छीन ली। साथ ही उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के प्लेऑफ्स में पहुंचने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर सोशल मीडिया पर छाने वाले माधव तिवारी सिर्फ 22 साल के हैं और मध्य प्रदेश के मूल निवासी हैं। पिछले सीजन आईपीएल डेब्यू करने वाले माधव ने पहले गेंदबाजी के दौरान पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली का बड़ा विकेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने अंत के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 8 गेंदों में 18 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स को इस सीजन की पांचवीं जीत दिलाई। माधव को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अपने शानदार प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए माधव ने कहा, "मैं सबसे पहले टीम मैनेजमेंट को यह मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, और मैं बहुत लकी हूं कि मैं यहां जीतने वाली टीम में शामिल हो सका। माइंडसेट हमेशा यही रहता है कि अगर चीजें आपके हाथ में नहीं हैं, तो आप हर प्रैक्टिस सेशन में बेहतर करने की कोशिश करें। मैंने मुनाफ पटेल के साथ अपनी गेंदबाजी पर काफी काम किया, और मैंने बल्लेबाजी कोच के साथ अपनी रेंज-हिटिंग और ऐसी चीजों पर लगातार मेहनत की। मुझे खुशी है कि मैं टीम के लिए योगदान दे पाया।"

पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास से इनकार

विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें। लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी। डब्ल्यूएफआई ने विनेश को राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था, जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती। विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के लिए पात्र हैं, जबकि महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक अयोग्य घोषित कर दिया है। डब्ल्यूएफआई ने उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। डब्ल्यूएफआई अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने कहा, आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज भूषण, उनकी टीम वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।

ऑरेंज कैप की दौड़ में जो टॉप 5 खिलाड़ी, चार हिंदुस्तानी

ऑरेंज कैप की रेस और भी दिलचस्प होती जा रही है। टीमों के बीच तो एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी ही है, साथ ही बल्लेबाज भी जोरआजमाइश कर रहे हैं। इस वक्त ऑरेंज कैप की दौड़ में जो टॉप 5 खिलाड़ी हैं, उसमें चार हिंदुस्तानी यानी भारतीय खिलाड़ी हैं, हालांकि इसके टॉप पर विदेशी बल्लेबाज का कब्जा बना हुआ है। उम्मीद है कि आज कम से कम एक बल्लेबाज ऐसा निकलेगा, जो 500 का आंकड़ा पार कर लेगा। आईपीएल में इस वक्त जिस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं, वो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले हेनरिक क्लासेन हैं। क्लासेन मिडल आर्डर में खेलते हैं, लेकिन इसके बाद भी पहले नंबर पर आना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। टॉप 5 के बाकी सारे बल्लेबाज ओपनर हैं। क्लासेन ने अब तक 11 मैच खेलकर 494 रन बना लिए हैं। हो सकता है कि आज ही वे 500 का आंकड़ा पार कर जाएं। इस बीच केएल राहुल दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 12 मैच खेलकर 477 रन अब तक बना लिए हैं। सनराइजर्स के लिए ओपनिंग करने वाले अभिषेक शर्मा नंबर तीन पर हैं। उन्होंने अब तक 11 मैच खेलकर 475 रन बनाने में सफलता हासिल की है। यानी टॉप 3 में दो बल्लेबाज तो सनराइजर्स हैदराबाद के ही हैं। इस बीच शुभमन गिल अब नंबर 4 पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 10 मैचों में ही 462 रन बना दिए हैं। वैभव सूर्यवंशी नंबर पांच पर हैं, उनके नाम 11 मैचों में 440 रन अब तक हो गए हैं। इस बीच अगर पर्पल कैप की बात करें तो वहां पर भुवनेश्वर कुमार पहले नंबर पर हैं। भुवनेश्वर कुमार ने कमाल की गेंदबाजी की है, अब तक वे 11 मैच खेलकर 21 विकेट ले चुके हैं। एक मैच तो उन्होंने 4 सफलताएं हासिल की थी। इसके बाद दूसरे नंबर पर अंशुल कम्बोज हैं। जो चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेल रहे हैं। अंशुल ने 11 मैच खेलकर अब तक 19 विकेट हासिल कर लिए हैं। अभी तो काफी मैच बाकी हैं, देखना होगा कि जब सीजन का समापन होगा तो कौन सी टीम विजेता बनकर सामने आती है।v

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रुपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है कि सिर्फ 300-400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है.

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रुपये वाली चुस्की?

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ केमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है.

चीन की सबसे ठंडी कॉफी ने इंटरनेट पर मचाया गदर

हॉट कॉफी और कोल्ड कॉफी तो बहुत तरह के देखें होंगे, लेकिन माइनस 80 डिग्री टेंप्रेचर पर बनने वाली काफी का स्वाद चखना, अपने आप में एक अनोखा अनुभव होता है. इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक कॉफी खूब वायरल हो रही है. ऐसी कॉफी चाइना में मिलती है. इंटरनेट पर इन दिनों माइनस 80 डिग्री पर बनने वाली ये काफी काफी चर्चा में हैं. एक इंडियन महिला ने वीडियो शेयर कर इसके बनने से लेकर, इसका स्वाद चखने तक का पूरा वीडियो शेयर किया है. वीडियो की शुरुआत देखकर तो पहले डर लग जाता है कि आखिर इतनी ठंडी कॉफी लोग पीएंगे कैसे? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @swatiandprateek नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर की गई है. यह वीडियो यूजर के पर्सनल एक्सपीरियंस पर बेस्ड है.

पायलट ने माइक थामकर किया महिला का शुक्रिया

डोनट्स से खुशनुमा हुआ फ्लाइट का माहौल

एक सामान्य इंडिगो फ्लाइट उस समय खास बन गई, जब पायलट ने एक यात्री के लिए अलग अंदाज में अनाउंसमेंट किया. यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है साथ ही लोगों को काफी पसंद आ रहा है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर मनीक मेहता ने शेयर किया है. इसमें पायलट फ्लाइट के बीच माइक लेकर एक खास घोषणा करते नजर आते हैं. आमतौर पर जहां फ्लाइट में सुरक्षा और यात्रा से जुड़ी घोषणाएं सुनाई देती हैं, वहीं इस बार पायलट का अंदाज कुछ अलग था. पायलट ने कहा कि स्पेशल शाउटआउट मिस शेट्टी के लिए, जिन्होंने आज क्रू के लिए डोनट्स लाए. हम

पायलट ने महिला को कॉफी ऑफर की और शुक्रिया अदा किया.

ऐसे व्यवहार और दयालुता को प्रोत्साहित करते हैं. इस घोषणा ने तुरंत यात्रियों का ध्यान खींच लिया. इसके बाद पायलट ने मजाकिया अंदाज में उस यात्री को तलाशने की कोशिश की. उन्होंने पूछा कि क्या वह एयरलाइन से जुड़ी हैं या स्टाफ ट्रैवल पर हैं.

लोगों का रिएक्शन वायरल

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे खूब सराहा. कई यूजर्स ने कहा कि यह एक छोटा लेकिन दिल छू लेने वाला पल था. कुछ लोगों ने लिखा कि ऐसे जेस्चर फ्लाइट के अनुभव को खास बना देते हैं.वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि फ्लाइट क्रू के प्रति आभार जताना जरूरी है, क्योंकि वे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं.

मुंबई के फ्लैट का वीडियो देख चकराया लोगों का सिर

मुंबई के बांद्रा में अपने 2BHK फ्लैट की झलक दिखाती एक महिला का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में महिला ने इतना अधिक रेंट होने के बावजूद अपने फ्लैट को अंत में प्राइसलेस बताया है. ऐसा कहने के पीछे एक बड़ी वजह इस वीडियो में सामने आई है. वीडियो पर कई लोगों ने शहर में आसमान छूते किराए पर अपना ऑनलाइन रिएक्शन भी दिया है.यह वीडियो आर्य कोठारी नाम के शख्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है.

'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' पर रणवीर सिंह की फिल्म? लेखक अमीश त्रिपाठी ने अफवाहों को बताया गलत

रणवीर सिंह अपने करियर के सबसे बेहतरीन पड़ाव पर हैं, जहां उनकी फिल्म अब देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच चुकी है। 'धुरंधर 2' को रिलीज हुए 2 महीने होने वाले हैं और अब तक ये सिनेमाघरों में टिकी हुई है। दर्शकों से अभी भी इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। 'धुरंधर 2' के बाद अब रणवीर सिंह के फैंस उनकी नई फिल्म के इंतजार में जुटे हैं। इस बीच रणवीर को लेकर खबरें आईं कि धुरंधर और धुरंधर 2 में भारतीय जासूस की भूमिका निभाने के बाद अब रणवीर सिंह बड़े पर्दे पर भगवान शिव की भूमिका निभाते नजर आएंगे। कहा जा रहा था कि रणवीर सिंह ने अपने प्रोडक्शन बैनर 'मां कसम फिल्म्स' के तहत अमीश त्रिपाठी द्वारा लिखित 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' के राइट्स हासिल कर लिए हैं। लेकिन, अब अमीश त्रिपाठी ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि, 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद, रणवीर अब अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में जुट गए हैं और बड़े पर्दे पर भगवान शिव की भूमिका में नजर आ सकते हैं। 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' का फिल्म रूपांतरण फिलहाल राइटिंग स्टेज पर है और इस प्रोजेक्ट के लिए रणवीर सिंह ने और अनन्या बिरला के साथ साझेदारी की है। दोनों ही इस पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस फिल्म को तीन पार्ट्स में बनाए जाने की योजना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, "रणवीर सिंह लंबे समय से 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' को बड़े पर्दे पर लाना चाह रहे थे और अब प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो चुका है। फिल्म के लिए स्क्रिप्टिंग भी शुरू हो चुकी है और टीम इसकी प्लानिंग में जुट चुकी है। बताया जा रहा है कि फिल्म के पहले भाग की शूटिंग 2028 तक शुरू हो सकती है और ये फिल्म तीन भागों में रिलीज होगी। फिल्म में रणवीर, भगवान शिव की भूमिका में दिखाई देंगे, जबकि अब तक बाकि के कलाकारों के नाम तय नहीं हैं। इसी के साथ कहा गया कि अभिनेता ने भारी-भरकम रकम देकर इसके अधिकार हासिल कर लिए हैं। हालांकि, द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा के लेखक अमीश त्रिपाठी ने इन सभी खबरों को खारिज कर दिया है और साफ किया कि अधिकारों को लेकर उनका किसी के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। वैरायटी इंडिया से बात करते हुए अमीश त्रिपाठी ने कहा, "शिवा ट्रिलॉजी के अधिकार मेरे पास ही हैं और अभी तक इसे लेकर किसी के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। इसमें कोई शक नहीं कि मैं रणवीर सिंह का बहुत सम्मान करता हूं और उनका बड़ा फैन हूं। लेकिन इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।" पर्सनल लाइफ की बात करें तो रणवीर सिंह दूसरी बार पापा बनने वाले हैं। रणवीर और दीपिका अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं, जिसका ऐलान कपल ने हाल ही में किया था। रणवीर और दीपिका ने इंस्टाग्राम पर बेटी दुआ की एक तस्वीर शेयर करते हुए फैंस के साथ ये गुड न्यूज शेयर की थी।

लखनऊ में लगी 'साइबर पंचायत', ग्रामीणों को ऑनलाइन सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य का दिया गया संदेश

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सोमवार को साइबर पंचायत का आयोजन किया गया। डिजिटल युग में गांव के लोगों को साइबर अपराध का खतरा ज्यादा है। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रम बेहद जरूरी और उपयोगी हैं।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सोमवार को साइबर पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के लोगों को साइबर सुरक्षा के तरीके बताए गए और मेंटल हेल्थ के प्रति जागरूक किया गया। साइनेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने आरटी साइबर अकेडमी के सहयोग से सरोजिनी नगर के हसनपुर खेवली प्राथमिक विद्यालय में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। डिजिटल युग में गांव के लोगों को साइबर अपराध का खतरा ज्यादा है। गांव में मोबाइल फोन का इस्तेमाल बढ़ा है, लेकिन मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता नहीं है। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रम बेहद जरूरी और उपयोगी हैं। साइबर पंचायत एक ऐसा सामुदायिक मॉडल है, जो साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता को सीधे ग्रामीण और जमीनी स्तर तक पहुंचाता है और भौगोलिक, भाषाई तथा पहुंच की बाधाओं को तोड़ता है। इसका आयोजन करने वाली दोनों संस्थाओं का मानना है कि डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य केवल शहरी भारत का विशेषाधिकार नहीं है। ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी स्कैम और सोशल मीडिया का दुरुपयोग ग्रामीण इलाकों में तेजी से फैल रहा है। इसी के साथ म्यूल अकाउंट बनाने की खतरनाक प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। सीधे-सादे ग्रामीणों को थोड़े से पैसों का लालच देकर उनके बैंक खाते या केवाईसी दस्तावेज हासिल कर लिए जाते हैं और वे अनजाने में साइबर अपराध का हिस्सा बन जाते हैं तथा गंभीर कानूनी परिणाम भुगतते हैं। ज्यादा स्क्रीन टाइम और डिजिटल निर्भरता के कारण मानसिक समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे तनाव, चिंता, अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की परेशानी बढ़ रही है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं में यह परेशानी ज्यादा है। भावनात्मक स्वास्थ्य और सामुदायिक सहयोग एक स्वस्थ डिजिटल समाज की नींव हैं। डिजिटल दुनिया के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझे बिना ऑनलाइन सुरक्षा अधूरी है। एक सच्चा सशक्त नागरिक वही है, जो डिजिटल रूप से सुरक्षित और मानसिक रूप से मजबूत हो। इसी वजह से मेंटल हेल्थ के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रक्षित टंडन ने उपस्थित जनसमूह को साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी स्कैम और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से उत्पन्न बढ़ते खतरों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में मूल बैंक अकाउंट की बढ़ती समस्या पर भी कड़ी चेतावनी दी, जिसमें ठग ग्रामीणों को थोड़े से नकद प्रलोभन देकर उनके बैंक खाते, सिम कार्ड या केवाईसी दस्तावेज हथिया लेते हैं और उन्हें साइबर अपराध के पैसों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसे अनेक ग्रामीण, जिन्हें कानूनी परिणामों की कोई जानकारी नहीं होती, अचानक पुलिस कार्रवाई, खाता फ्रीज और गिरफ्तारी का सामना करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही आम नागरिक की सबसे बड़ी ढाल है। टीम साइनरी की मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों में से एक आर्ची अनुराज ने तनाव, चिंता, अकेलेपन और अत्यधिक डिजिटल निर्भरता के मनोवैज्ञानिक प्रभावों से जुड़ी बढ़ती चिंताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में भावनात्मक स्वास्थ्य, खुले संवाद और सामुदायिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। सत्र के दौरान साईबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। वक्ताओं ने एकमत होकर कहा कि साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य, दोनों मिलकर एक सुरक्षित, जागरूक और सशक्त समाज की नींव रखते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने सुरक्षित डिजिटल आदतें अपनाने और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का संकल्प लिया।

यूपी में मौसम फिर पलटी मारेगा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मौसम में लगातार उतार चढ़ाव जारी है। एक और विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए पश्चिमी यूपी, दिल्ली से सटे जिलों और तराई के कुल 38 जिलों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाओं के साथ गरज चमक व हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इससे पहले तेज हवाओं और बूंदाबांदी के एक दौर के बाद सोमवार को प्रदेशभर में धूप खिली। गर्मी और तपिश में बढ़ोतरी हुई और 41.6 डिग्री सेल्सियस के साथ बांदा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। झांसी, प्रयागराज, वाराणसी और आगरा में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार से अगले तीन-चार दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में और खासकर तराई क्षेत्रों में बादलों की सक्रियता बनी रहेगी। इस दौरान रुक-रुक कर हल्की बारिश के आसार हैं, लेकिन इसके बावजूद तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, झांसी, ललितपुर व आसपास के क्षेत्र

जिला कोर्ट के वकीलों के कई चैंबर्स की दीवारों पर नगर निगम ने लाल क्रॉस लगा दिए

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ जिला कोर्ट के वकीलों के कई चैंबर्स की दीवारों पर नगर निगम ने लाल क्रॉस लगा दिए हैं। इसके साथ ही नोटिस लगाया है, जिसमें 16 मई तक का समय दिया गया है। कहा गया है कि अगर 16 तक ये अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो 17 तारीख को प्रशासन खुद ही एक्शन लेगा। उस दौरान जो भी खर्च आएगा, उसका वहन अतिक्रमणकारी को करना होगा। इस नोटिस पर वकीलों का कहना है कि ये सारे नोटिस रात के अंधेरे में लगाए गए। उनके चैंबर्स पर लाल निशान लगा दिया गया। परिसर के बाहर के चैंबर्स में तो निशान लगाए ही, कोर्ट परिसर के अंदर के चैंबर्स पर भी निशान लगा दिए गए। एक चाय दुकानदार ने कहा- पुराने हाईकोर्ट गेट के बाहर स्थित बसंत लाल टी स्टॉल के संचालक दीपक ने बताया कि वह पिछले करीब 50-55 सालों से यहां दुकान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुबह करीब 7 बजे जब वह दुकान पर पहुंचे, तभी उन्हें नोटिस चिपका हुआ दिखाई दिया। दीपक ने कहा- उनकी पक्की दुकान है, लेकिन नगर निगम की कार्रवाई के चलते उन्हें इसे हटाना पड़ सकता है। असली समस्या चैंबर डालने की है। इलाके में जाम पहले भी लगता था और अब भी लग रहा है, ऐसे में दुकान हटाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। हाईकोर्ट में लखनऊ नगर निगम की ओर से दाखिल रिपोर्ट में बताया गया कि कोर्ट क्षेत्र में 72 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। इनमें अधिकांश वकीलों के चैंबर हैं। कुछ दुकानें भी हैं। अदालत ने इससे पहले भी नगर निगम को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन, पुलिस बल पर्याप्त न होने पर कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी थी।

बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के मुख्य स्थायी अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने डीसीपी मुख्यालय, डीसीपी पश्चिम और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पश्चिमी के पत्र अदालत में पेश किए। इन पत्रों में बताया गया कि अपरिहार्य कारणों से पूर्व निर्धारित तारीख पर नगर निगम को पुलिस बल उपलब्ध नहीं कराया जा सका। नगर निगम की ओर से अदालत को बताया गया था कि अतिक्रमण हटाने के लिए अब 12 मई की नई तारीख तय की गई है। हालांकि, 12 मई को केवल नोटिस दिया गया।

पीएम मोदी की अपील पर मायावती का तंज, बोलीं- जनता पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही है

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सोने की खरीद टालें, पेट्रोलियम पदार्थ कम उपयोग करें, पीएम नरेंद्र मोदी की इस अपील पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के विरुद्ध जारी युद्ध समाप्ति की अनिश्चितता के कारण ऊर्जा संकट व विदेशी मुद्रा भंडार की चिंताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इससे यह साबित होता है कि भारत के सामने संकट

केवल पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस समेत सिर्फ पेट्रोलियम पदार्थों का ही नहीं, बल्कि आर्थिक संकट भी गहराएगा। इससे करोड़ों देशवासियों का जीवन प्रभावित हो रहा है। इसके अभी जारी रहने की भी आशंका है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि ऐसे समय में जब देश की लगभग 100 करोड़ जनता कोरोना काल के बाद जबरदस्त रोजी-रोटी के संकट की मार झेल रही है। उसके पास संयमित होने व खोने को कुछ खास नहीं बचा है। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकारें गरीब व मेहनतकश परिवारों को राहत देकर उनका सहारा बनें। यही जन व देशहित में उचित होगा। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हालात और बढ़ते आर्थिक दबाव के बीच आम जनता पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों से परेशान है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि गरीबों को राहत देने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज, राशन और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को और मजबूत किया जाए, ताकि लोगों को कठिन परिस्थितियों में सहारा मिल सके।

हाईकोर्ट के वकील ने पड़ोसी पर SUV चढ़ाने की कोशिश का लगाया आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के महानगर इलाके स्थित एल्डिको बसेरा अपार्टमेंट में रहने वाले हाईकोर्ट के एक वकील ने पड़ोसी पर जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। उसने कहा है कि जान से मारने की नीयत से पड़ोसी ने SUV चढ़ाने की कोशिश की। मामले में महानगर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पीड़ित वकील अभिषेक तिवारी के मुताबिक, 30 अप्रैल की रात करीब 11:55 बजे वह अपने ड्राइवर गोविंद के साथ चैंबर से घर लौटे थे। आरोप है कि जैसे ही वह अपनी MG हेक्टर से उतरकर अपार्टमेंट के भीतर जाने लगे, तभी सामने से तेज रफ्तार सफेद फॉर्च्यूनर लेकर पहुंचे पड़ोसी करन कुमार ने उन पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। अभिषेक का कहना है कि उन्होंने किसी तरह किनारे हटकर अपनी जान बचाई, जबकि ड्राइवर गोविंद ने भी तत्परता दिखाते हुए वाहन हटाकर टक्कर टाल दी। उनका आरोप है कि यदि कुछ सेकेंड की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। पीड़ित के मुताबिक, घटना के बाद ड्राइवर गोविंद ने विरोध किया तो आरोपी भड़क गया। आरोप है कि करन कुमार ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी- 'आज तो तुम्हारा मालिक बच गया, लेकिन कब तक बचेगा।' तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने खुद को रसूखदार बताते हुए कहा कि पुलिस और अधिकारी उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

युवा सम्मान समारोह 2026 में राजेंद्र यादव हुए सम्मानित

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

दिल्ली में कृष्णा फाउंडेशन द्वारा आयोजित युवा सम्मान समारोह 2026 में समाजसेवी राजेंद्र यादव को यादव समाज में वैवाहिक रिश्तों को जोड़ने और सैकड़ों शादियां संपन्न कराने में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया, जिसमें राजेंद्र यादव का नाम विशेष रूप से चर्चा में रहा।राजेंद्र यादव पिछले नौ वर्षों से यादव समाज के लोगों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने समाज के परिवारों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने और योग्य युवक-युवतियों के विवाह संबंध तय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों से समाज के अनेक परिवारों के रिश्ते तय हुए और सफल विवाह संपन्न हुए। समाज में सामाजिक एकता और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए किए गए उनके कार्यों की लोगों ने सराहना की।फाउंडेशन के अध्यक्ष राम मोहन व सचिव डॉ सुषमा यादव से सम्मान प्राप्त करने के बाद राजेंद्र यादव ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं,

बल्कि उन सभी भाई-बहनों, सदस्यों और परिवारों का है जिन्होंने उन पर विश्वास जताया और हर कदम पर सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा का कार्य अकेले संभव नहीं होता, बल्कि सभी लोगों के सहयोग और विश्वास से ही ऐसे प्रयास सफल होते हैं।उन्होंने कृष्णा फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था ने समाज सेवा के कार्य को पहचानकर उन्हें सम्मानित किया है। राजेंद्र यादव ने कहा कि यह सम्मान उन्हें आगे भी अधिक जिम्मेदारी और समर्पण के साथ समाज सेवा के कार्य जारी रखने की प्रेरणा देगा। अंत में उन्होंने सभी सहयोगियों, समाज के लोगों और शुभचिंतकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद बनाए रखने की कामना की।

जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने मंगलवार को नगर पालिका परिषद उन्नाव द्वारा अमृत योजना के तहत देवारा कला में संचालित 80 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्लांट की कार्यप्रणाली, जल शोधन प्रक्रिया, मशीनों की स्थिति तथा पेयजल गुणवत्ता की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल की शुद्धता, आपूर्ति व्यवस्था, मेन पावर, मशीनों के संचालन और रखरखाव के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से जल के पीएच मान तथा पानी में घुले अशुद्ध पदार्थों जैसे आर्सेनिक, बीओडी, सीओडी और अन्य माइक्रो केमिकल तत्वों की नियमित जांच सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगरवासियों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता की समय-समय पर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने यह सुनिश्चित करने को कहा कि पानी में किसी भी प्रकार के हानिकारक तत्व या हैवी मेटल निर्धारित मानक से अधिक मात्रा में न हों। इसके लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए परीक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्लांट के संचालन को आधुनिक एवं तकनीकी रूप से मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुभवी एजेंसी के माध्यम से नवीन तकनीकों के साथ प्लांट के संचालन हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर शासन को भेजी जाए, ताकि भविष्य में जलापूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके। जिलाधिकारी ने प्लांट में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु से पहले उच्च क्षमता वाले जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में जलापूर्ति प्रभावित न हो। अधिकारियों से जनरेटर की आवश्यकता के अनुसार प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर भेजने को कहा गया। जिलाधिकारी ने दोहराया कि नगरवासियों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद उन्नाव, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने शहर के सिद्धनाथ मंदिर में पूजन किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर डीएम ने शहर के सिद्धनाथ मंदिर में पूजन किया। इस दौरान ओंकार जाप के साथ रुद्राभिषेक व महाआरती भी की। डीएम घनश्याम मीणा ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाई। यात्रा देवी मंदिर से प्रारंभ होकर सिद्धनाथ पहुंची और समाप्त हुई। इसके बाद डीएम ने सिद्धनाथ मंदिर पहुंचकर पूजन किया। आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन, ओंकार जाप, रुद्राभिषेक, महाआरती व दीपोत्सव कराया। डीएम ने मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करते हैं। पूजन अर्चन के प्रसाद का वितरण हुआ। सीडीओ कृतिराज, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी, एनसीसी, पीआरडी जवान व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गंगापुल पर रेलवे ट्रैकमरम्मत कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गंगापुल पर रेलवे ट्रैक पर स्लीपर बदलने और मरम्मत कार्य के कारण पिछले 42 दिनों से प्रभावित रेल संचालन जल्द ही बहाल होने की उम्मीद है। रेलवे विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह ट्रैक सुधार कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। अधिकारियों के अनुसार, ट्रैक में स्लीपर लगाने का लगभग 99 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, और अब केवल लगभग 25 स्लीपर लगाए जाने का कार्य शेष है। रेलवे विभाग की टीम लगातार युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। मजदूरों और तकनीकी कर्मचारियों की कई टीमें दिन-रात ट्रैक पर काम में जुटी हुई हैं, ताकि शेष कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि कार्य में तेजी लाई गई है और अनुमान है कि मंगलवार शाम तक पूरा काम समाप्त कर लिया जाएगा। इस मरम्मत और स्लीपर बदलने के कार्य के कारण पिछले लगभग डेढ़ महीने से कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। पैसेंजर ट्रेनों से लेकर सुपरफास्ट ट्रेनों तक को या तो रद्द कर दिया गया था या उनके मार्ग में परिवर्तन किया गया था, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को यात्रा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कार्य पूरा होने के बाद ट्रैक की तकनीकी जांच और सुरक्षा परीक्षण किया जाएगा। सभी मानकों पर ट्रैक के सुरक्षित पाए जाने के बाद ही ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा। संभावना है कि मंगलवार देर शाम या उसके बाद धीरे-धीरे रेल यातायात सामान्य होने लगेगा। रेल संचालन बहाल होने की खबर से स्थानीय लोगों और यात्रियों में राहत का माहौल है। लंबे समय से ट्रेनों के बंद रहने के कारण लोग वैकल्पिक साधनों से यात्रा करने को मजबूर थे, जिससे उनके समय और धन दोनों का अधिक व्यय हो रहा था। रेलवे विभाग का कहना है कि ट्रैक सुधार कार्य पूरा होने के बाद यात्रियों को अधिक सुरक्षित और सुगम यात्रा सुविधा मिल सकेगी। रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि ट्रैक पर नए स्लीपर लगाए जाने और मरम्मत कार्य के बाद रेल संचालन पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित होगा।

घायल युवक की मौत के मामले में नाराज परिजनों ने सीओ सिटी कार्यालय के बाहर किया धरना प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष हाथरस

हाथरस। थाना हाथरस गेट क्षेत्र के गांव तमना गढ़ी निवासी युवक अभिलाष की मारपीट में घायल होने के बाद मौत के मामले में कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने मंगलवार को तहसील सदर परिसर स्थित सीओ सिटी कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण धरना किया। परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। बताया गया कि 16 मार्च 2026 की रात करीब 10:30 बजे सलेमपुर महादेव स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास एक बस चालक और बुलेट बाइक सवार युवकों के बीच विवाद हो गया था। विवाद के बाद बाइक सवार तीन युवक बस का पीछा करते हुए तमना गढ़ी पहुंच गए, जहां उन्होंने मारपीट और पथराव किया। इस दौरान अभिलाष गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए अलीगढ़ के निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक अभिलाष अविवाहित था और परिवार का इकलौता बेटा बताया गया है। परिजनों का आरोप है कि घटना को करीब दो महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस के दौरान परिजनों ने थाना प्रभारी पर भी लापरवाही के आरोप लगाए।

ओवरलोडेड ई-रिक्शा उड़ा रहे जनपद में ट्रैफिक कानून की खुलेआम धज्जियां

टीवी भारतवर्ष हाथरस

हाथरस। जनपद के अलग-अलग रोड़ों पर ओवरलोडेड ई-रिक्शा ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाते दिख रहे हैं। वही मंगलवार की सुबह शहर के व्यस्तम रोड पर ई-रिक्शा 13 सवारियां बैठाकर रफ्तार भरता दिखा है। वहीं मथुरा रोड पर ई-रिक्शा को भार वाहन बनाकर रोड पर दौड़ाया जा रहा है। शहर में सवारियों को मंजिल तक पहुंचाने वाली ई-रिक्शा पर सवारियों का कितना बोझ है। इसका एक नजारा मंगलवार को शहर में देखने को मिला। यहां ओवरलोडेड ई-रिक्शा में 13 सवारियां बैठी हुईं थीं। जिसमें छोटे बच्चों को गाड़ी के ऊपर सवार किया था। इसका वीडियो सोशल मीडियो पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, शहर में कानून को ठेंगा दिखाते हुए ई-रिक्शा पर 13 सवारियों को बैठाया गया है। जिसमें कुछ बच्चों ऊपर छत पर बैठे हुए है । इसके बावजूद ई-रिक्शा सड़क पर तेजी से फर्राटा भर रहा है। ऐसा ही दूसरा मामला शहर देखने को मिला है। यहां ई-रिक्शा को भार वाहन बनाकर हाईवे पर दौड़ाया जा रहा है, जो हादसे का कारण बनते हैं। इन ई रिक्शा चालकों को किसी का भी खौफ नहीं है और नहीं किसी अनहोनी का भय आखिर यह शहर में कब तक ट्रैफिक नियमों की धज्जियां खुलेआम उड़ाते रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल में कार्यक्रम का किया आयोजन

टीवी भारतवर्ष हाथरस

कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई, जिसके बाद उपस्थित चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने एक-दूसरे को नर्स दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान आयोजित बैठक में नर्सों की जिम्मेदारियों, मरीजों की सेवा में उनकी भूमिका तथा स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि नर्सें अस्पतालों की रीढ़ होती हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा में जुटी रहती हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. सूर्य प्रकाश ने कहा कि नर्सें मरीजों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उनका योगदान स्वास्थ्य सेवाओं में बेहद अहम है। वहीं डॉ. मंजू सिंह ने नर्सिंग स्टाफ की कार्यशैली और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार और देखभाल उपलब्ध कराने में नर्सों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम में जिला अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ, महिला नर्सें एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

उन्नाव में ट्रांस गंगा सिटी और आसपास के गांवों की बिजली व्यवस्था सुधारने की दिशा में बड़ा कदम

उन्नाव में ट्रांस गंगा सिटी और आसपास के गांवों की बिजली व्यवस्था सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। यूपीसीड़ा ने ट्रांस गंगा सिटी स्थित बिजलीघर से आसपास के गांवों को विद्युत आपूर्ति देने की मंजूरी दे दी है। इसके लिए अधिशाषी अभियंता विद्युत को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। इस फैसले से क्षेत्र के ग्रामीणों को भविष्य में बेहतर और सुचारू बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद जगी है। जारी निर्देशों के अनुसार ग्राम शंकरपुर सराय, कन्हवापुर, मुरलीपुर, लक्ष्मीखेड़ा, नयाखेड़ा, पिपरी और पिण्डोखा समेत कई गांवों की बिजली आपूर्ति ट्रांस गंगा सिटी के बिजलीघर और फीडर से जोड़ी जाएगी। ग्रामीण लंबे समय से लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली कटौती की समस्या से परेशान थे। उनका कहना था कि मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, जिससे घरेलू और कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। यह पहल किसान आंदोलन उत्तर प्रदेश द्वारा 24 अप्रैल को जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र के बाद तेज हुई। पत्र में मांग की गई थी कि ट्रांस गंगा सिटी परियोजना के अंतर्गत बने आधुनिक विद्युत उपकेंद्र से आसपास के गांवों को जोड़ा जाए, ताकि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था मजबूत हो सके। किसानों ने तर्क दिया था कि नजदीक स्थित आधुनिक बिजलीघर से सप्लाई मिलने पर बिजली की गुणवत्ता बेहतर होगी। इसी क्रम में यूपीसीड़ा ने अधिशाषी अभियंता विद्युत को पत्र भेजकर ट्रांस गंगा सिटी परियोजना स्थित विद्युत उपकेंद्र के लोड का आकलन करने और संबंधित गांवों को वहां से जोड़ने के संबंध में अग्रिम कार्रवाई करने को कहा है। विभागीय अधिकारियों को तकनीकी परीक्षण कर जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। ग्रामीणों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। किसानों का कहना है कि बेहतर बिजली आपूर्ति से सिंचाई कार्य सुचारू रूप से हो सकेगा और कृषि उत्पादन में सुधार आएगा। वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को भी कम कटौती का सामना करना पड़ेगा।

पीएम मोदी पर टिप्पणी से घिरे सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी, महोबा में FIR दर्ज

महोबा में विरोध प्रदर्शन के दौरान सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई विवादित टिप्पणी के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।भाजपा नेता की शिकायत पर पुलिस ने सांसद के खिलाफ FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का अपमान बताते हुए कड़ी निंदा की है।

उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी विवादों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। कोतवाली नगर पुलिस स्टेशन में उनके विरुद्ध FIR दर्ज कर ली गई है। यह FIR भाजपा नेता सत्येंद्र प्रताप गुप्ता की शिकायत पर दर्ज की गई है। सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंचे दौरान मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री के खिलाफ बेहद गलत और अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पूरे मामले ने बड़ा राजनीतिक रूप ले लिया। महोबा में समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान सांसद अजेंद्र सिंह लोधी कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। ज्ञापन सौंपने के बाद जब वे मीडिया से बात कर रहे थे, तभी उनकी जुबान फिसल गई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल कर दिया। इस आचरण की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने तीखा पलटवार किया। मीडिया से बात करते हुए सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि वे PDA (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ खड़े हैं और वर्तमान सरकार के विरोध में हैं। उन्होंने सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने जनता की जितनी अनदेखी की है, उतनी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने स्मार्ट मीटर, फसल बीमा में घोटाले, स्कूलों के बंद होने, नई भर्तियों न निकलने, स्वास्थ्य विभाग में दवाओं की कमी और स्टाफ की कमी जैसे मुद्दों को उठाया। इसी दौरान बातचीत में उन्होंने प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर दिया। इस घटना के बाद भाजपा ने सपा सांसद पर हमला बोल दिया है। भाजपा नेताओं ने इसे बेहद निंदनीय बताया है। वहीं, सपा सांसद का कहना है कि वे सरकार की नीतियों के खिलाफ हैं और जनता के मुद्दों को उठा रहे हैं। बता दें कि महोबा पुलिस ने सांसद अजेंद्र सिंह लोधी के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। आगे की जांच चल रही है। इस घटना ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नया तनाव पैदा कर दिया है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति एक सांसद द्वारा की गई असंसदीय टिप्पणी न केवल अशोभनीय और अक्षम्य है, बल्कि भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी गंभीर आघात है। यह कृत्य राजनीतिक कुसंस्कार, वैचारिक दिवालियापन और सार्वजनिक जीवन की शालीनता के प्रति अनादर को प्रकट करता है।' इसके साथ ही सीएम योगी ने कहा, 'यह 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश, विश्वास और भारत की लोकतांत्रिक गरिमा का भी अपमान है। देश की जनता ऐसे अमर्यादित आचरण का उत्तर समय आने पर जरूर देगी।'

इशाकपुर गांव में जोरदार धमाका

संभल जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव इशाकपुर में जोरदार धमाके से पूरे गांव में दहशत फैल गई। धमाका गांव के एक खंडहर में हुआ। इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के कई घरों में दरारें आ गईं, खिड़कियों के शीशे टूट गए और घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में पास में बंधे आधा दर्जन से अधिक पशु भी झुलस गए। हादसे के बाद गांव में कुछ समय के लिए भगदड़ जैसे हालात बन गए। ग्रामीणों के मुताबिक बुलंदशहर के मुबारकपुर निवासी श्यौराज का मकान लंबे समय से गांव में खंडहर हालत में पड़ा हुआ था। मंगलवार सुबह अचानक उसमें तेज धमाका हो गया। धमाके के समय आसपास मौजूद लोग तेज आवाज सुनकर सहम गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। कई महिलाओं और बच्चों में भय का माहौल बन गया। बताया गया कि खंडहर मकान के पास मनोज और ब्रह्मप्रकाश निवासी इशाकपुर की भैंसें बंधी थीं। धमाके की चपेट में आने से पशु झुलस गए। ग्रामीणों ने किसी तरह पशुओं को वहां से हटाया। वहीं कई मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं और खिड़कियों के शीशे टूटकर बिखर गए। कुछ घरों में रखा घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रजपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसपी मनोज रावत भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। एएसपी मनोज रावत ने बताया कि मामले की जांच सभी बिंदुओं पर की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इशाकपुर गांव में इससे पहले भी धमाके की घटना हो चुकी है। ऐसे में लोगों में डर और चिंता का माहौल है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अंग्रेजी कविताओं पर सवाल खड़े किए

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने नर्सरी के बच्चों को पढ़ाई जाने वाली (नर्सरी राइम्स)अंग्रेजी कविताओं पर सवाल खड़े किए हैं। योगेंद्र उपाध्याय के मुताबिक जॉनी जॉनी यस पापा, ईटिंग शुगर नो पापा हो या रेन रेन गो अवे ये सब बच्चों को संस्कार विहीन बना रही है। योगेंद्र उपाध्याय का कहना है कि जॉनी जॉनी यस पापा,ईटिंग शुगर नो पापा-राइम बच्चों को झूठ बोलने का संस्कार देती है। आगे की लाइन ओपन योर माउथ ,हा, हा, हा, इसमें बच्चों को अपने पिता और बड़ों का मजाक उड़ाना सिखाती है। बीजेपी नेता ने कहा कि रेन रेन गो अवे, कम अगेन अनदर डे, लिटिल जॉनी वांट्स टो प्ले। ये नर्सरी राइम निजी स्वार्थ सिखाता है, जो भारतीय संस्कृति में उचित नहीं माना जाता। उन्होंने शनिवार को कानपुर में आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह में यह बात कही थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर इन नर्सरी राइमिंग को सिलेबस से हटाने की मांग भी की है। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए योगेंद्र उपाध्याय ने कहा, "देखिए मैंने कहा था कि शिक्षा वह जो संस्कार दे। संस्कार विहीन शिक्षा कभी आदर का पात्र नहीं हो सकती, क्योंकि उससे राष्ट्र निर्माण नहीं होता। न ही आगे वाली नस्लों का निर्माण नहीं होता। जाने अनजाने में हम कभी-कभी कुछ ऐसी बातें बच्चों को सिखा जाते हैं, जो हम भी नहीं समझते और बच्चों में संस्कार देने के बजाय कुसंस्कार दे देती हैं। जैसे हमारे संस्कारों में है कि सत्य बोलना चाहिए। हमारे संस्कारों में सम्मान बड़ों का करना चाहिए। लेकिन एक पोयम है- जॉनी जॉनी यस पापा ईटिंग शुगर नो पापा यानी झूठ बोलना टेलिंग एंड लाइफ नो पापा और दृढ़ता से झूठ बोलना तो झूठ बोलने का जाने अनजाने में बच्चे के कोमल मन पर एक संस्कार चला गया। मन मस्तिष्क पे चला गया।" योगेंद्र उपाध्याय ने कहा, "ऐसे कोई इंग्लिश का विरोध नहीं है। न इंग्लिश पोएम का विरोध है। मेरा उस संदेश का विरोध है, जो किसी माध्यम से बच्चों पर जा रहा है। उसके बाद वो कहता है ओपन योर माउथ। यानी बड़ों का असम्मान करना। यह भी हमारी संस्कृति नहीं है। तो यह एक उदाहरण दिया था, जिसको हमारे विपक्ष के कुछ एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी इंटेलिजेंट लोगों ने यह कहा कि साहब जो इंग्लिश विरोधी हैं वगैरह-वगैरह। समझदारी का फर्क है। कुछ समझदारी उनकी ठीक हो जाए।"

साइको किलर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में 24 घंटे में तीन हत्याओं को अंजाम देने वाले साइको किलर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। रात करीब 11 बजे दरियापुर में सीन रीक्रिएशन के दौरान वह पुलिस की पिस्टल छीनकर भाग रहा था। आरोपी के सीने और पेट में दो गोलियां लगी हैं। इस दौरान एसआई और जीआरपी सिपाही घायल हुए हैं।

डीआईजी वाराणसी रेंज वैभव कृष्ण के मुताबिक, अमृतसर के रहने वाले गुरप्रीत सिंह ने पहली वारदात रविवार सुबह 6.45 पर पैसेंजर ट्रेन में अंजाम दी थी। जिसमें आरोपी ने ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में चढ़कर गाजीपुर के रहने वाले 34 साल के मंगरू की हत्या कर दी थी। इसके बाद वो 10 मई की रात 1:30 बजे जम्मूतवी एक्सप्रेस में सवार हुआ और बिहार के गया के दिनेश साहू पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना के बाद वो पैदल घूमता रहा, सोमवार की सुबह करीब 7:30 बजे मुगलसराय के जीवक अस्पताल पहुंचा। वहां डॉक्टर से इलाज कराने के लिए पर्ची बनवाई और उसके बाद वार्ड में घुस गया। वहां भर्ती महिला लक्ष्मीना देवी के सिर पर रिवॉल्वर रखकर गोली चला दी। वारदात के बाद भाग रहे आरोपी को वॉर्ड बॉय और बाकी लोगों ने पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया था। उसके पास से पुलिस ने लाइसेंसी रिवॉल्वर, डबल बैरल बंदूक और कारतूस बरामद किए थे। आरोपी ने तीन हत्याएं करने की बात कबूली थी। पूछताछ में सामने आया था कि गुरप्रीत सिंह ने 2021 में सेना की नौकरी छोड़ दी थी। 29 अप्रैल को नौकरी के लिए पंजाब से बिहार के आरा गया था। वहां शराब की लत के कारण उसे सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी से निकाल दिया था।